मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका

त्रैमासिक अंक
फरवरी 2025

हमें यहाँ फ़ॉलो करें

mnit.ac.in/about_us/newsletter

विषय-सूची

- निदेशक का संदेश 03
- परिसर घटनाक्रम 04
- गणतंत्र दिवस 07
- स्फिंक्स 2024: एक शानदार तकनीकी-प्रबंधन महोत्सव 09
- संविधान दिवस समारोह 17
- युवा महोत्सव समारोह 18
- आधारभूत संरचना विकास 19
- विभागीय मुख्य आकर्षण 20
- अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएँ 28
- उपलब्धियाँ और पुरस्कार 29
- डीन कार्यालय की पहल 31
- पूर्व छात्र सहभागिता 33
- पुस्तकालय कार्यक्रम और कार्यशालाएँ 35
- एमएनआईटी जयपुर में छात्रों का दौरा: विज्ञान और ज्ञान की खोज 35
- खबरों में एमएनआईटी जयपुर 37
- कुलगीत 40

निदेशक का संदेश

प्रिय पाठकों,

हमारी त्रैमासिक समाचार पत्रिका के इस संस्करण के माध्यम से आपसे जुड़ना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। एमएनआईटी जयपुर में पिछले कुछ महीनों में परिवर्तनकारी पहल, उत्कृष्ट उपलब्धियाँ और प्रगति के लिए साझा प्रतिबद्धता देखी गई है।

हम उन राष्ट्रीय पर्वों को मनाने में गौरव महसूस करते हैं जो हमारे मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। **76वें गणतंत्र दिवस** ने हमें शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने का अवसर दिया। "**एक पेड़ माँ के नाम**" जैसी पहल हमारे सतत विकास के प्रति समर्पण को दर्शाती है, जबकि संविधान दिवस ने न्याय, स्वतंत्रता और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

स्फिंक्स 2024, हमारा प्रमुख टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट, और **यूथ फेस्ट** ने नवाचार, रचनात्मकता और सहयोग को प्रोत्साहित करते हुए कैंपस जीवन को और अधिक जीवंत बनाया। संस्थान के समग्र विकास को बढ़ाने के लिए हमने अनुसंधान सुविधाओं को उन्नत किया है और छात्रों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए एक अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन किया है।

नवाचार एमएनआईटी की पहचान है। "कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर डिज़ाइन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (CBDE)" परियोजना एमआईआईसी में भविष्य के उद्यमियों को सशक्त बना रही है, जबकि एमआईआईसी कॉफी टेबल बुक ने 18 सफल स्टार्टअप्स की प्रेरणादायक यात्रा को प्रस्तुत किया है। अकादमिक स्तर पर, आदित्य-एल1 कार्यशाला (सौर अनुसंधान पर) और भारत-रूस कार्यशाला (स्वच्छ ऊर्जा पर) अत्याधुनिक अनुसंधान में हमारी नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करते हैं। संस्थान में नई अनुसंधान सुविधाओं की स्थापना हमारी उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाती है।

शैक्षणिक उपलब्धियों से परे, हमारे छात्र सांस्कृतिक, तकनीकी और नेतृत्व के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी—चाहे वह सतत विकास परियोजनाएँ हों, तकनीकी कार्यशालाएँ हों या अन्य गतिविधियाँ —एमएनआईटी को समग्र विकास के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

हालाँकि, हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि हर प्रगति के साथ चुनौतियाँ आती हैं। मानसिक और शारीरिक कल्याण को प्राथमिकता देना आवश्यक है। सहयोग लेना—चाहे वह सहपाठियों से, संकाय सदस्यों से या परामर्श सेवाओं से हो— सशक्तिकरण का प्रतीक है। एक साथ मिलकर, हम हर बाधा को पार कर सकते हैं और अधिक मजबूत बन सकते हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, आइए संकल्प करें कि हम नवाचार, दृढ़ता और समाज में सार्थक योगदान देने के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे।

आप सभी को प्रेरणा और सफलता से भरे इस सेमेस्टर की शुभकामनाएँ।

सादर,

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी

निदेशक, एमएनआईटी जयपुर

परिसर घटनाक्रम

कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर डिज़ाइन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीबीडीई) परियोजना

16 अक्टूबर 2024 को, एमएनआईटी जयपुर ने एमआईआईसी में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सीबीडीई परियोजना शुरू की। इस कार्यक्रम की शोभा एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी और एमआईआईसी प्रमुख प्रो. मोनिका शर्मा ने बढ़ाई, साथ ही मेंटर्स श्री जयराम पार्थसारथी, श्री परेश गुप्ता और श्री मधुप बंसल भी उपस्थित रहे। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण एमआईआईसी कॉफी टेबल बुक का विमोचन था, जिसमें 18 स्टार्टअप्स की उद्यमशील यात्रा को दर्शाया गया, जो संस्थान की नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बीआईटी मेसरा से एफडीपी प्रतिभागियों का दौरा

29 नवंबर 2024 को एमआईआईसी ने बीआईटी मेसरा, जयपुर कैंपस के संकाय सदस्यों का स्वागत किया, जो एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के तहत आए थे। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रतिभागियों को एमआईआईसी के संसाधनों से परिचित कराना था, जिसमें स्टार्टअप इनक्यूबेशन, मेंटरशिप प्रोग्राम, और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं, ताकि उद्योग और शिक्षाविदों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

(फैकल्टी विकास कार्यक्रम के दौरान बीआईटी मेसरा के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों की एक सभा)

उद्यमिता और सम्मेलन

एमआईसीसी इनक्यूबेटेड स्टार्टअप ओशनलक्स सीसीयू, जिसे श्री गौरव राघव द्वारा स्थापित किया गया, जयपुर में आयोजित राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपनी माइक्रोएल्गी आधारित कृत्रिम प्रकाशसंश्लेषण तकनीक प्रस्तुत की। सतत विकास और जलवायु कार्रवाई के लिए इस नवाचारी समाधान को प्रधानमंत्री द्वारा सराहा गया।

(माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एमआईआईसी, एमएनआईटी जयपुर द्वारा इनक्यूबेट किए गए माइक्रोएल्गी-आधारित कृत्रिम प्रकाशसंश्लेषण तकनीक स्टार्टअप का अवलोकन करते हुए)

11वां IEEE PIICON अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 10-12 दिसंबर, 2024 को एमएनआईटी जयपुर में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 14 मुख्य व्याख्यान, 4 ट्यूटोरियल सत्र, और 190 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, एक WIE कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. आर.पी. सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल पाहवा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

(निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी, मुख्य अतिथि डॉ. आर.पी. सिंह (पूर्व सीएमडी, पीजीसीआईएल) और प्रो. अनिल पाहवा (कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, कनाडा) के साथ मिलकर IEEE PIICON अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभ अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए।)

स्टार्टअप मीटअप जयपुर

स्टार्टअप मीटअप जयपुर ने 40 से अधिक स्टार्टअप संस्थापकों, निवेशकों और सलाहकारों को एकजुट किया, जिससे नेटवर्किंग और सहयोग के लिए एक जीवंत मंच तैयार हुआ। प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप में यूनिट इकोनॉमिक्स के महत्व पर मुख्य सत्र ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस कार्यक्रम ने राजस्थान के बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(संस्थापक और सलाहकार प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप में यूनिट इकोनॉमिक्स के महत्व पर एक सत्र में उद्यमियों को सतत विकास की दिशा में मार्गदर्शन देते हुए)

महिला स्टार्टअप कार्यक्रम (राजस्थान संस्करण)

IIMB NSREL के सहयोग से, महिला स्टार्टअप कार्यक्रम के राजस्थान संस्करण ने महिला उद्यमियों को मार्गदर्शन, संसाधन और एक संरचित पाठ्यक्रम के साथ सशक्त बनाया। प्रतिभागियों ने व्यवसाय रणनीति, नेतृत्व, वित्त पोषण और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की, जिससे राजस्थान में आर्थिक विकास और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक सशक्त और स्थायी उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में योगदान मिला।

वेलनेस क्लब का जागरूकता सत्र

वेलनेस क्लब और डीएसडब्ल्यू कार्यालय द्वारा मादक द्रव्यों के सेवन पर एक सत्र (18 नवंबर, 2024) आयोजित किया गया, इस सत्र का नेतृत्व SVNIT सूरत के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शाह ने किया। चर्चा के दौरान जागरूक निर्णय लेने, मानसिक दृढ़ता विकसित करने, और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

(डीएसडब्ल्यू और वेलनेस क्लब द्वारा मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति जागरूकता सत्र आयोजित)

(डॉ. संजय शाह ने जागरूक निर्णय लेने, संघर्ष क्षमता और स्वस्थ जीवन जीने पर व्याख्यान दिया - वेलनेस क्लब द्वारा आयोजित)

स्वच्छ ऊर्जा पर भारत-रूस कार्यशाला (20 नवंबर, 2024)

ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में रूसी विज्ञान अकादमी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. यूरी लिट्टी ने डार्क फर्मेंटेटिव हाइड्रोजन उत्पादन पर व्याख्यान दिया, जिसके बाद जैव-ईंधन प्रयोगशाला में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया।

(स्वच्छ ऊर्जा पर भारत-रूस कार्यशाला में विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और उद्योग प्रतिनिधियों का संगम हुआ, जहां टिकाऊ समाधानों में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया)

"शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एनआईआरएफ के उपयोग" पर व्याख्यान (2 दिसंबर 2024)

एनएएसी कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे ने चर्चा की कि किस प्रकार संस्थान अकादमिक और अनुसंधान मानकों को बढ़ाने के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग का रणनीतिक उपयोग कर सकते हैं।

HUMPALS का 23वाँ सत्र (3 दिसंबर, 2024)

स्व-शिक्षण, पुनः-शिक्षण और सह-शिक्षण पर केंद्रित इस सत्र में प्रोफेसर मंजू सिंह ने अपने संबोधन में संकाय सदस्यों के बीच सामूहिक प्रगति और आपसी सहयोग पर प्रकाश डाला।

(HUMPALS के 23वें सत्र के प्रतिभागियों का संगठित सम्मेलन)

गणतंत्र दिवस

एमएनआईटी जयपुर में देशभक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर में 76वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुई, जो राष्ट्रीय गर्व और संप्रभुता का प्रतीक है।

अपने संबोधन में प्रो. पाढ़ी ने एमएनआईटी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें शामिल हैं:

- संरचना विकास: नए छात्रावास भवन और आधुनिक जिम्नेजियम।
- अनुसंधान एवं अकादमिक क्षेत्र: महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ और शैक्षणिक प्रगति।
- उपलब्धियाँ: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संकाय और छात्रों की पहचान।
- वैश्विक सहयोग: अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का विस्तार।

उन्होंने इसरो के साथ वर्चुअल रियलिटी लैब, प्रमुख कार्यक्रमों के लिए एनबीए मान्यता और एमएनआईटी के बढ़ते नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र जैसी पहलों की भी सराहना की।

सम्मान समारोह

उत्कृष्ट स्टाफ सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया:

- मंत्रिस्तरीय श्रेणी: श्री. विनोद मणि शर्मा, श्रीमति. प्राची वैद, श्री. राहुल मौर्य, श्री. संजय कुमार, श्री. हर सहाय मीना, श्री. राधेश्याम खोलिया
- तकनीकी श्रेणी: श्री. रामस्वरूप मंडोलिया, श्री. हरि ज्ञान, श्री. पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा, श्री. जीतेन्द्र सिंह आर्य

सांस्कृतिक उत्सव

एमएनआईटी के छात्रों ने भारत की समृद्ध विरासत, स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्ति की भावना को दर्शाते हुए शानदार संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं।

इस समारोह ने सभी उपस्थित लोगों में एकता और देशभक्ति की भावना को पुनः जागृत किया।

"एक पेड़ माँ के नाम": एमएनआईटी जयपुर में हरित अभिनंदन

एमएनआईटी जयपुर में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के तहत, "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान में 400 से अधिक छात्र और कर्मचारी शामिल हुए, जिसमें 350 से अधिक पेड़ वृक्ष सुरक्षा गार्ड के साथ लगाए गए।

(प्रो. एन.पी. पाढ़ी, निदेशक एमएनआईटी जयपुर ने अन्य लोगों के साथ पर्यावरणीय सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक पेड़ मां के नाम के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।)

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, ने एक छात्रा द्वारा अपनी माँ के जन्मदिन पर वृक्षारोपण करने के भावनात्मक क्षण को साझा किया। प्रो. रोहित गोयल ने बताया कि प्रतिभागी अपने समय के दौरान एमएनआईटी जयपुर परिसर में इन पेड़ों की देखभाल करेंगे।

प्रो. रोहित भाकर, रजिस्ट्रार, ने उल्लेख किया कि पौधों को Jio-टैग कर QR कोड से जोड़ा गया है, जिससे एमएनआईटी जयपुर के छात्रों द्वारा विकसित एक ऐप के माध्यम से इनकी निगरानी करना आसान होगा।

इस कार्यक्रम में संकाय और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही, जो एमएनआईटी जयपुर की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

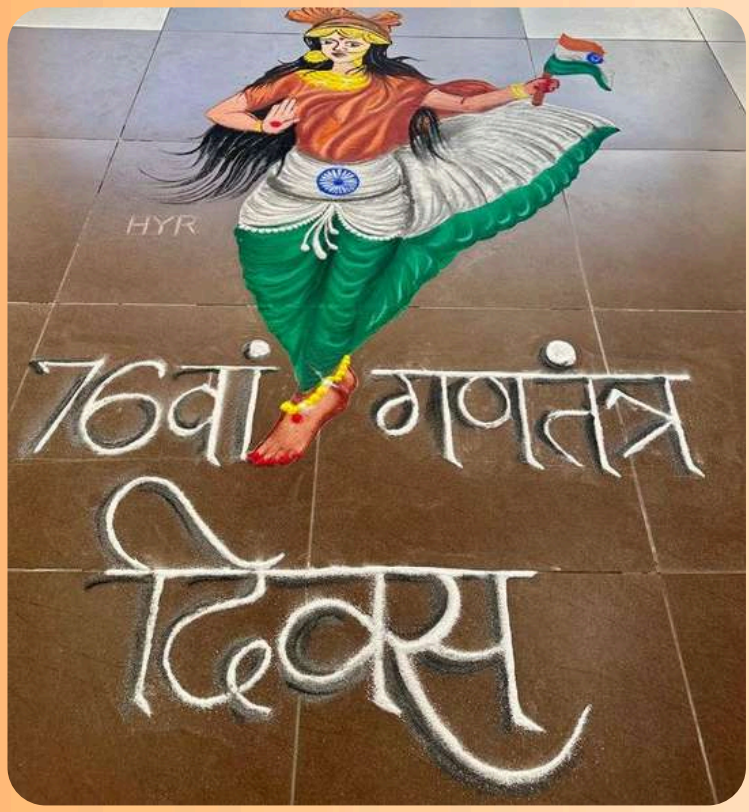

स्फिंक्स 2024
SPHINX

BALU

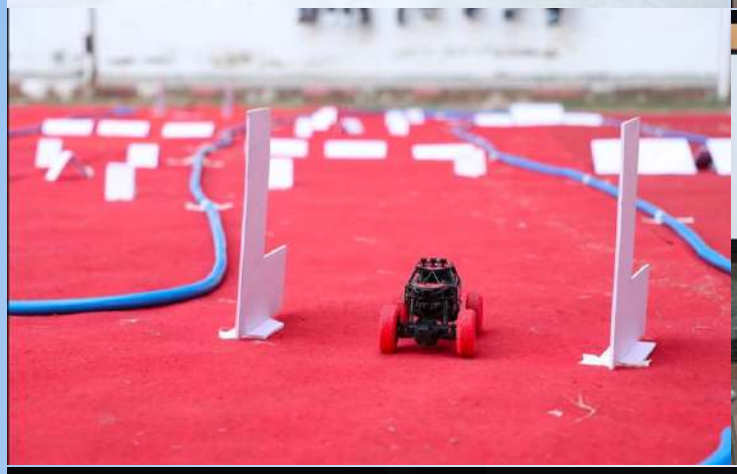

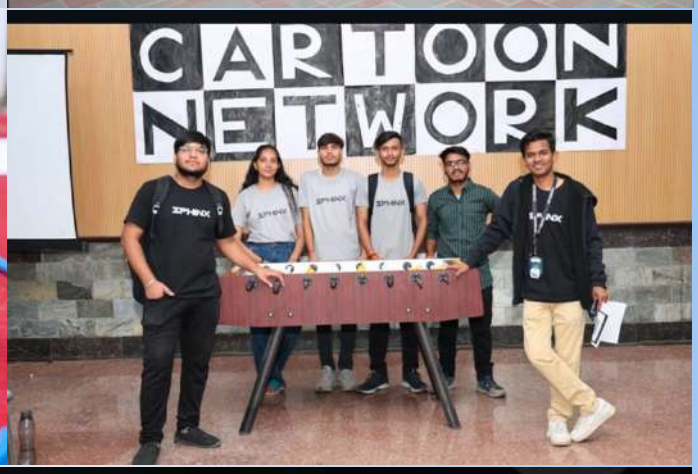
CARTOON
NETWORK

स्फिंक्स 2024: एक शानदार तकनीकी-प्रबंधन महोत्सव

एमएनआईटी जयपुर ने 8-10 नवंबर 2024 तक अपने वार्षिक तकनीकी-प्रबंधन महोत्सव, स्फिंक्स 2024, की मेजबानी की, जिसमें 50,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न क्लबों और विभागों द्वारा आयोजित 60 से अधिक कार्यक्रमों के साथ, स्फिंक्स 24 ने राजस्थान के सबसे बड़े कॉलेज महोत्सवों में से एक के रूप में एक नई मिसाल कायम की।

उद्घाटन समारोह

यह आयोजन 8 नवंबर 2024 को नीति सभागार में उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि, लेफ्टिनेंट जनरल अनिल कुमार भट्ट (डीजी, आईएसपीए) ने प्रो. एन.पी. पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी जयपुर), प्रो. कनुप्रिया सचदेव (डीन, छात्र कल्याण) और डॉ. पी.वी. रामना (समन्वयक, तकनीकी सोसायटी) के साथ मंच की शोभा बढ़ाई। समारोह का समापन श्रीमती श्वेता कोझीपुरथ (स्फिंक्स 24 की अध्यक्ष की सलाहकार) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रमुख आयोजन

एरोक्वेस्ट: प्रतिभागियों ने सटीक कार्यों को करने वाले रिमोट-कंट्रोल्ड विमान डिजाइन और निर्माण किए। पहले दिन आयोजित इस प्रतियोगिता में 11 टीमों ने अपनी अभियांत्रिकी और डिजाइन कौशल का प्रदर्शन किया।

रोबोवॉर्स: इस रोमांचक प्रतियोगिता में रिमोट-कंट्रोल्ड रोबोट दो श्रेणियों—15 किग्रा और 8 किग्रा—में मुकाबला करते नजर आए। 15 किग्रा श्रेणी में नौ रोबोट, जबकि 8 किग्रा श्रेणी में चार रोबोट शामिल हुए। रोबोवॉर्स एमएनआईटी जयपुर का पहला कार्यक्रम बना, जिसे प्रोनाइट के बाद आयोजित किया गया।

मिनट टू पिच इट: इस अनोखी प्रतियोगिता में टीमों को कैंपस वाहन पर निवेशकों के साथ यात्रा करते हुए मात्र एक मिनट में अपने स्टार्टअप आइडिया पेश करने का अवसर मिला। कुल 28 टीमों (प्रत्येक में तीन सदस्य) ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता और दृष्टिकोण से निवेशकों को प्रभावित किया।

ई-स्पोर्ट्स: इस ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में वेलोरेंट, CS2 और BGMI में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखी गई, जिसमें 255 से अधिक प्रतिभागियों ने टीम बनाकर भाग लिया। कई ऑनलाइन राउंड्स के बाद, कैंपस में हुए फाइनल मुकाबलों में प्रतिभागियों ने अपनी बेहतरीन गेमिंग स्किल्स और टीमवर्क का प्रदर्शन किया, जिससे माहौल ऊर्जा से भर गया।

डिज़ाइन X: यह एक डिजिटल आर्ट प्रतियोगिता थी, जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागियों को तीन चरणों में विशेष मूड बोर्ड से प्रेरित कलाकृतियां बनाने की चुनौती दी गई। इस कार्यक्रम ने रचनात्मकता, त्वरित सोच और कलात्मक प्रतिभा को उजागर किया।

24-घंटे हैकाथॉन: इस जोशपूर्ण प्रतियोगिता में 160 टीमों को 24 घंटे के भीतर एक वास्तविक जीवन की समस्या को हल करने का कार्य दिया गया। इनमें से 40 टीमें कैंपस फाइनल में पहुंचीं, जहां उन्होंने सीमित समय में नवाचार और प्रभावशाली समाधान प्रस्तुत किए।

मनोरंजनात्मक आयोजन

साइलेंट डिस्को: जयपुर में पहली बार आयोजित हुए साइलेंट डिस्को ने मनोरंजनात्मक आयोजनों में सबसे खास आकर्षण बना, जिसने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने वायरलेस हेडफ़ोन के माध्यम से संगीत का आनंद लेते हुए डांस किया। यह अनोखा अनुभव इतना रोमांचक था कि लोग कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी इसकी चर्चा करते रहे।

रूम ऑफ नॉस्टेल्जिया: यह अनूठा आयोजन यादगार पलों की यात्रा कराने वाला था, जिसने बड़ी और उत्साही दर्शकों की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसकी प्रभावशाली अवधारणा ने प्रतिभागियों को आनंदित किया और वे पूरी तरह से पुरानी यादों में खो गए।

फुल थ्रॉटल: यह आरसी कार रेसिंग प्रतियोगिता अपने नाम के अनुरूप पूरी तरह रोमांच से भरपूर रही। प्रतिस्पर्धात्मक भावना और ऊर्जावान माहौल ने इसे बड़ी सफलता दिलाई, जिससे प्रतिभागी और दर्शक और अधिक रोमांच देखने के लिए उत्साहित रहे।

रोडियो बुल: रोडियो बुल ने मनोरंजन और चुनौती का शानदार संयोजन प्रस्तुत किया, जहां प्रतिभागियों ने यांत्रिक बुल पर अपनी क्षमता को परखा। इसकी रोमांचक और हास्यपूर्ण झलकियों ने इसे दर्शकों का पसंदीदा बना दिया और यह एक शानदार सफलता साबित हुआ।

कराओके: कराओके ने संगीत प्रेमियों को एक अनोखा मंच प्रदान किया, जहां उत्साही भीड़ ने अपनी गायकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जीवंत माहौल और जोशीली भागीदारी ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया और इसे एक बड़ी सफलता दिलाई।

विभागीय आयोजन

एमएनआईटी के विभिन्न विभागों और तकनीकी क्लबों ने ओपन एयर थिएटर (OAT), विवेकानंद व्याख्यान थिएटर कॉम्प्लेक्स (VLTC) और छात्र गतिविधि केंद्र (SAC) में 54 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों में एमएनआईटी के छात्र, संकाय सदस्य और अन्य कॉलेजों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एआई एक्सपीरियंस: जेस्चर, फेसेस और फन: एआईडीई विभाग द्वारा आयोजित इस इंटरएक्टिव एआई प्रदर्शनी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में 35 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें छात्र और संकाय सदस्य शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

क्विज़ – फ्यूल द फ्यूचर: सेंटर फॉर एनर्जी एंड एनवायरनमेंट द्वारा आयोजित इस तीन चरणों की क्विज प्रतियोगिता में 2-4 सदस्यों वाली नौ टीमों ने भाग लिया, जिसमें ऊर्जा संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे गए।

टॉवरिंग ट्रायम्फ्स: सिविल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संरचनात्मक सतत विकास, सामग्री की मजबूती और डिज़ाइन संबंधी ज्ञान को परखा गया। कुल 20 टीमों (प्रत्येक में 1-3 सदस्य) ने इसमें भाग लिया।

कोड गोल्फ: संगणक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस एक घंटे की हैकररैंक चुनौती में प्रतिभागियों को सबसे छोटे कोड के माध्यम से समस्याओं को हल करना था। इसमें कुल 23 प्रतिभागियों ने प्रतिस्पर्धा की।

टाइप रेसर: संगणक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस मंकीटाइप प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की टाइपिंग गति और सटीकता की परीक्षा ली गई। इस प्रतियोगिता में 140 प्रतिभागियों ने प्रभावशाली रूप से पंजीकरण किया।

आदित्य-एल1 कार्यशाला: भौतिकी विभाग ने 9 नवंबर 2024 को इसरो के आदित्य-एल1 मिशन पर केंद्रित इस कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें छात्रों और संकाय सदस्यों सहित 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एड-मेनिया: प्रबंधन अध्ययन विभाग (DoMS) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में टीमों को नए टैगलाइन, ब्रांड मंत्र और मूल्य प्रस्तावों के साथ विज्ञापनों को फिर से बनाने की चुनौती दी गई। कुल 17 टीमों ने इसमें भाग लिया।

कॉरपोरेट कैटेलिस्ट: DoMS द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को रणनीतिक योजना और नवाचार के माध्यम से उद्योग की वास्तविक समस्याओं को हल करने की चुनौती दी गई। 115 पंजीकरणों में से 50 छात्रों ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

पैनल चर्चा: DoMS द्वारा आयोजित इस चर्चा में कॉलेज शिक्षा और नौकरी की आवश्यकताओं के बीच की खाई को संबोधित किया गया। इसने मार्गदर्शन और मेंटरशिप पर जोर दिया, जिसमें 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ट्रेडिंग टूपर्स: वित्त पर केंद्रित इस DoMS के कार्यक्रम में प्रतिभागियों को वास्तविक समय के बाजार का अनुकरण करने का अवसर मिला, जिससे उनकी वित्तीय समझ और जोखिम प्रबंधन कौशल में सुधार हुआ। कुल 240 पंजीकरणों में से 70 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

ट्रेमर टेक इवेंट: NCDMM द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को भूकंपीय परीक्षण के लिए मजबूत लकड़ी की संरचनाएं डिजाइन और निर्माण करने की चुनौती दी गई। कुल 14 टीमों ने इसमें प्रतिस्पर्धा की।

सोलर सिनर्जी: विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित इस सौर प्रौद्योगिकी कार्यशाला में 76 पंजीकरणों में से 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इल्यूमिक्राफ्ट: आर्किटेक्चर विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को रचनात्मक और उपयोगी लैंप डिजाइन करने का अवसर मिला। कुल 43 व्यक्तियों और टीमों ने अपनी कृतियों का प्रदर्शन किया।

लॉन्च-ए-थॉन: यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित इस व्यावहारिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों को कैटापल्ट डिजाइन और निर्माण करने का कार्य सौंपा गया। कुल 185 पंजीकरणों में से कई छात्रों ने इसमें भाग लिया।

क्लब आयोजन

नैनोफ्लाइट कार्यशाला: एरोमॉडेलिंग क्लब ने nRF24L01 मॉड्यूल और Arduino Nano का उपयोग करके आरसी ट्रांसमीटर बनाने पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्टारी ईव: एस्ट्रोनॉमी क्लब द्वारा आयोजित इस नाइट-स्काई एक्सप्लोरेशन इवेंट ने 40 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिससे उनमें ब्रह्मांड के प्रति जिज्ञासा और प्रशंसा जागृत हुई।

24-घंटे वेब-ए-थॉन: संगणक विज्ञान क्लब द्वारा ED सेल और MIIC के सहयोग से आयोजित इस प्रमुख हैकाथॉन में 11 टीमों ने फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया, जहां उन्होंने अपने न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (MVP) और प्रस्तुतियां विशेषज्ञ पैनल के सामने पेश कीं।.

(संगणक विज्ञान क्लब द्वारा ED सेल और MIIC के सहयोग से आयोजित प्रमुख हैकाथॉन के प्रतिभागी।)

कोडमेन: एस्फिंक्स 2024 के तहत, संगणक विज्ञान क्लब ने इस कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 38 प्रतिभागियों को जटिल समस्या समाधान कार्यों की चुनौती दी गई।

केस क्लैश – बिजनेस स्ट्रैटेजी चैलेंज: कंसल्टेंसी क्लब ने 14 प्रतिभागियों को वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों के लिए नवोन्मेषी समाधान विकसित करने की चुनौती दी, जिसमें रणनीति और विश्लेषणात्मक सोच पर जोर दिया गया।

कोडक्रंच – मॉडल मेकर एडिशन: डेटा साइंस क्लब द्वारा आयोजित इस मशीन लर्निंग हैकाथॉन में 22 प्रतिभागियों ने दिए गए समस्या कथनों और डेटा सेट के आधार पर नवीन एमएल मॉडल विकसित किए।

IEEE
TECH
TALK

द हैकर्स मैप: इंफोसैक क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में साइबर सुरक्षा के प्रमुख अवधारणाओं का परिचय दिया गया। कुल 76 पंजीकरणों में से 30 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

द मेज़ मेक मास्टर: एस्फिंक्स 2024 के दौरान रोबोटिक्स क्लब द्वारा आयोजित इस रोमांचक रोबोटिक्स प्रतियोगिता में नौ पंजीकृत टीमों में से दो टीमों ने प्रतिस्पर्धा की।

करियर कंपास: टेक्निकल कम्युनिकेशन हाउस द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को करियर योजना और निर्णय लेने में मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसमें 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रूब-ए-थॉन: इस रचनात्मक अभियांत्रिकी प्रतियोगिता में 11 टीमों (प्रत्येक में 4-5 सदस्य) को चुनौती दी गई कि वे सरल कार्यों को अभिनव रूप से पूरा करने के लिए जटिल रूब गोल्डबर्ग मशीनों को डिज़ाइन करें।

ऑटो-एक्सपो: फेस्ट के दूसरे दिन आयोजित इस ऑटो-एक्सपो में 10 से अधिक सुपरबाइक्स और छह अल्ट्रा-लक्ज़री कारों का प्रदर्शन किया गया, साथ ही रोमांचक स्टंट और बर्नआउट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

टेक-टॉक्स और प्रोनाइट की प्रमुख झलकियां

स्फिंक्स 24 तकनीक, मनोरंजन और प्रेरणा का एक अद्भुत संगम था। पहले दिन की शुरुआत फिजिक्स गैलेक्सी के संस्थापक और एमएनआईटी के पूर्व छात्र आशीष अरोड़ा के ज्ञानवर्धक टेक-टॉक से हुई, जिसने छात्रों में जिज्ञासा को प्रज्वलित किया। रात का समापन एमएनआईटी के लेवल-एक्स और MC² डांस ग्रुप्स की ऊर्जावान प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिसके बाद डीजे स्वैट्रेक्स द्वारा एक शानदार लेज़र शो ने माहौल को और यादगार बना दिया।

दूसरे दिन की शुरुआत टीवीएफ कास्ट के सदस्य अहसास चन्ना, प्रतीश मेहता और अनमोल कजानी के साथ एक रोचक इन्फ्लुएंसर सत्र से हुई। इसके बाद नोटबुक बैंड की शानदार संगीतमय प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा माहौल ऊर्जा से भर दिया।

तीसरे दिन की शुरुआत प्रभावशाली वक्ता प्रणव शर्मा के प्रेरक सत्र से हुई, जिसमें उन्होंने हास्य के साथ जीवन के महत्वपूर्ण पाठ साझा किए। फेस्ट का समापन जुबिन नौटियाल की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें उनकी सुरीली धुनों और ऊर्जावान गीतों ने 13,000 से अधिक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। माननीय निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने जुबिन को स्मृति चिह्न भेंट किया, जिससे स्फिंक्स 24 का समापन एक यादगार पल बन गया।

संविधान दिवस समारोह

भारत का संविधान, जो देश का सर्वोच्च कानून है, शासन की रूपरेखा, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को स्थापित करता है। संविधान दिवस, जो प्रतिवर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है, संविधान सभा द्वारा इसकी स्वीकृति और 26 जनवरी 1950 को इसके लागू होने की स्मृति में मनाया जाता है। 2024 के संविधान दिवस समारोह के तहत, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने इस ऐतिहासिक दिन को सम्मानित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। केंद्रीय पुस्तकालय में भारत के संविधान की एक प्रति प्रदर्शित की गई, जिससे छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को इस मौलिक दस्तावेज को समझने का अवसर मिला। यह प्रदर्शनी एक बहुमूल्य संसाधन के रूप में कार्य करते हुए संविधान में निहित सिद्धांतों के प्रति जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देने में सहायक रही। इसने युवा पीढ़ी को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

थिंक इंडिया क्लब, एमएनआईटी जयपुर द्वारा संविधान दिवस समारोह

थिंक इंडिया क्लब, एमएनआईटी जयपुर ने संविधान दिवस 2024 को देशभक्ति की भावना के साथ चित्रकला और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के माध्यम से मनाया। छात्रों और कर्मचारियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने भारतीय संविधान, भारतीय संसद और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान जैसे विषयों से प्रेरणा ली।

रंग-बिरंगी कलाकृतियों ने संविधान के प्रति प्रतिभागियों की श्रद्धा और भारत के लोकतंत्र के निर्माण में इसकी भूमिका को दर्शाया। यह आयोजन प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों पर विचार प्रकट करने के लिए एक मंच बना, साथ ही उन लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ किया जो पूरे राष्ट्र को एकजुट करते हैं।

समारोह का समापन एक संक्षिप्त चर्चा के साथ हुआ, जिसमें संविधान दिवस और उसके सिद्धांतों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मान्यता स्वरूप प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, और पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह बनाए रखने के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई।

थिंक इंडिया क्लब की यह पहल अत्यंत सफल रही, जिससे राष्ट्रीय गर्व की भावना प्रबल हुई और संविधान की उस महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ी, जो राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करता है।

(संविधान दिवस की स्मृति में आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करते हुए छात्र।)

युवा महोत्सव समारोह

युवा महोत्सव 2025: उत्साह और संस्कृति का उत्सव

युवा महोत्सव 2025 उत्साहपूर्वक प्रारंभ हुआ, जिसमें स्वामी विवेकानंद की जयंती को मनाया गया, जो युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गर्व के प्रतीक हैं। सांस्कृतिक कला एवं रचनात्मक समाज द्वारा आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में रचनात्मकता, एकता और प्रेरणा को प्रोत्साहित करना है।

दिन की शुरुआत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद उनके जीवन और शिक्षाओं पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई। फिल्म निर्माण क्लब द्वारा प्रदर्शित एक फिल्म ने उनकी प्रेरणादायक यात्रा को दर्शाया। पारंपरिक खेल जैसे चम्मच-नींबू दौड़, सतोलिया और रस्साकशी ने एथलेटिक्स ग्राउंड में ऊर्जा और उत्साह भर दिया, जिससे आपसी सौहार्द और आनंद का माहौल बना।

आधारभूत संरचना विकास

नवीनीकृत छात्रावास H1 (पारिजात छात्रावास) का उद्घाटन

छात्रावास H1, जो हमारे परिसर का सबसे पुराना छात्रावास है, का नवीनीकरण किया गया और माननीय प्रो. एन.पी. पाढ़ी, अध्यक्ष BoG और एमएनआईटी जयपुर के निदेशक द्वारा 25 दिसंबर 2024 को इसका उद्घाटन किया गया। 1960 के दशक में निर्मित इस छात्रावास का नवीनीकरण एमएनआईटी जयपुर की अपने परिसर की विरासत को संरक्षित करने और हमारी समुदाय की बदलती आवश्यकताओं के अनुकूल होने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह नवीनीकरण सुनिश्चित करता है कि छात्रों को आरामदायक आवास और आधुनिक सुविधाएँ मिलें।

(डॉ. एन.पी. पाढ़ी ने नवीनीकृत H1 (पारिजात) छात्रावास का उद्घाटन किया, जिससे छात्र आवास सुविधाओं में सुधार हुआ।)

एमएनआईटी जयपुर में अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन

एमएनआईटी जयपुर ने एक अत्याधुनिक जिम की शुरुआत की, जिसका उद्घाटन प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक एवं अध्यक्ष (कार्यवाहक), बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा किया गया। ₹1 करोड़ के निवेश से स्थापित इस जिम में नवीनतम तकनीक का समावेश किया गया है, जिससे फिटनेस अनुभव को और बेहतर बनाया जा सके। यह सुविधा छात्रों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को समर्थन देने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

विशेष धन्यवाद प्रो. कनुप्रिया सचदेव (डीन, छात्र कल्याण), प्रो. रोहित भाकर (रजिस्ट्रार), और डॉ. वीरेन्दर बिजारनिया (वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी) को, जिनके महत्वपूर्ण योगदान से यह संभव हो सका।

(प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक एवं अध्यक्ष (कार्यवाहक), बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, ने अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन किया, जिससे छात्रों में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा मिला।)

उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला का उद्घाटन एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी द्वारा किया गया। ₹2.20 करोड़ की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक सुविधा ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान से संबंधित अनुसंधान का समर्थन करती है।

इस प्रयोगशाला के प्रमुख उपकरण हैं -

- HPLC: रासायनिक विश्लेषण के लिए।
- TPX एनालाइज़र: उत्प्रेरक अध्ययन के लिए।
- TOC एनालाइज़र: जल और मृदा विश्लेषण के लिए।
- केमिकल वर्कस्टेशन: बैटरी अनुसंधान के लिए।

अनुसंधान, सहयोग और औद्योगिक साझेदारी के लिए खुली, यह प्रयोगशाला सामग्री विशेषता अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है।
इस दृष्टि को साकार करने में योगदान देने वाले सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद।

(प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, ने रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।)

विभागीय मुख्य आकर्षण

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. रोहिदास भोई ने "बायोमास से प्राप्त पायरो-तेल का बिटुमेन संशोधक के रूप में सड़क निर्माण में उपयोग" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ऑन एप्लाइड एंड एनालिटिकल पायरोलीसिस (PYROASIA-2024) में प्रस्तुत किया गया, जो आईआईटी गुवाहाटी में 28-29 नवंबर 2024 के दौरान आयोजित हुई।

आयोजित कार्यक्रम

उद्योग-संस्थान-संवाद श्रृंखला के तहत, "ग्रासरूट प्रोजेक्ट एरेक्शन एंड कमीशनिंग" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसे श्री बिकाश कुमार गरोडिया (उप महाप्रबंधक-ऑपरेशन्स, एचएमईएल 1 बठिंडा) ने 19 नवंबर 2024 को प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान का आयोजन डॉ. रोहिदास भोई द्वारा किया गया।

विश्व मानक दिवस समारोह के तहत, "मानक विकास में अकादमिक भागीदारी को बढ़ावा देना: एक बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण" विषय पर 17 अक्टूबर 2024 को एक बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन भी डॉ. रोहिदास भोई द्वारा किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग

विशेषज्ञ व्याख्यान

18 नवंबर 2024 को, रसायन विभाग ने प्रोफेसर गिरीधर यू. कुलकर्णी द्वारा गैर-घन क्रिस्टल संरचनाओं में स्वर्ण को स्थिर करने पर एक विशेषज्ञ चर्चा का आयोजन किया।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. मनवीरी रानी ने 16-17 नवंबर 2024 को गवर्नमेंट कॉलेज बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत में हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित 11वें HSCA इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मैटेरियल्स एंड बायोलॉजिकल साइंसेज में प्लास्टिक मलबे में उपस्थित एडिटिव्स के क्रोमैटोग्राफिक विश्लेषण और उनके मेटल हेक्सासायनोफेर्रेट्स द्वारा निष्कासन पर एक व्याख्यान दिया।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

आमंत्रित व्याख्यान

"Hybridizing Earthquake dynamics-based Optimization with Multiple Adaptive Differential Evolution: Towards a faster convergence metaheuristic" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो नौवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन डेटा माइनिंग एंड बिग डेटा (DMBD 2024) में शामिल था। यह सम्मेलन 13-16 दिसंबर 2024 को हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया।

इसके अलावा, "Beamer Software: An advanced tool for creating presentations in Overleaf" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 25 नवंबर - 1 दिसंबर 2024 के दौरान राजस्थान एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुरा (श्री करण नरेंद्र एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, जोबनेर - जयपुर), राजस्थान सरकार द्वारा पीजी, पीएचडी छात्र और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला ऑन साइंटिफिक रिसर्च एंड टेक्निकल राइटिंग स्किल्स के अंतर्गत दिया गया।

पुस्तक स्वीकृति

डॉ. लविका गोयल की पुस्तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" (वाइली पब्लिकेशंस) को डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु (कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा पूर्ण रूप से सहायता प्राप्त) में संगणक विज्ञान एंड अभियांत्रिकी के स्नातक छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तक के रूप में अपनाया गया। यह पुस्तक रसेल और नॉरविग द्वारा लिखी गई विश्व की सर्वोच्च रेटिंग वाली और सबसे लोकप्रिय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यपुस्तक के साथ शामिल की गई है।

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

उपस्थित कार्यक्रम

एमएनआईटी जयपुर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के शोधार्थी श्री चंद्र प्रकाश बाराला ने रूस के सोची में आयोजित 9वें ब्रिक्स यंग साइंटिस्ट फोरम (YSF) में भारत का प्रतिनिधित्व किया। शोधार्थी को बधाई, जो प्रो. रोहित भाकर और डॉ. पारुल मथुरिया के मार्गदर्शन में कार्यरत थे, जिन्होंने रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स यंग साइंटिस्ट फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में, उन्होंने पर्यावरण और जलवायु प्रौद्योगिकी विषय क्षेत्र में योगदान दिया।
यह प्रतिष्ठित आयोजन ब्रिक्स देशों के 40 वर्ष से कम उम्र के प्रमुख युवा वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, जिससे सहयोग, नवाचार और ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ाया जा सके। श्री चंद्र प्रकाश बाराला उन 12 युवा वैज्ञानिकों में से एक थे, जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित होकर इस वैश्विक मंच में शामिल हुए।

(श्री चंद्र प्रकाश बाराला, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर से शोध विद्वान, ने रूस के सोची में आयोजित 9वें ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक मंच (YSF) में भारत का प्रतिनिधित्व किया।)

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. मेनका यादव ने 17 दिसंबर, 2024 को SKIT जयपुर द्वारा आयोजित ATAL FDP में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। उनकी प्रस्तुति का विषय था “Navigating Recent Trends and Challenges in Semiconductor Devices”।

डॉ. मेनका यादव ने 9 नवंबर, 2024 को NIT वारंगल द्वारा आयोजित FDP में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का शीर्षक था “Research Trends and Applications of Nanoscale Devices and Circuits”।

आयोजित कार्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग ने 17 से 19 जुलाई 2024 तक 5वीं अंतरराष्ट्रीय डेटा विज्ञान और अनुप्रयोग सम्मेलन (ICDSA 2024) का आयोजन किया। सम्मेलन को 1500 से अधिक शोध पांडुलिपियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 230 को सहकर्मी समीक्षा के बाद स्वीकार किया गया। कार्यवाही को SCOPUS अनुक्रमित स्प्रिंगर बुक सीरीज़, लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स के 6 खंडों में प्रकाशित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ पत्र SCOPUS जर्नल SN संगणक विज्ञान, स्प्रिंगर के विशेष अंक में प्रकाशित होंगे। सम्मेलन को सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी (SCRS), नई दिल्ली द्वारा समर्थन प्राप्त था। मुख्य वक्ताओं में शामिल थे:

- प्रो. सरजू मोहंती, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका।
- प्रो. दिप्ति श्रीनिवासन, विद्युत और संगणक अभियांत्रिकी विभाग, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर।

(श्री दीपक अग्रवाल, HrdWyr वेंचर्स में उपाध्यक्ष और MNIT जयपुर के पूर्व छात्र (ECE, 1999), ने भारत में कुशल चिप डिज़ाइनरों की बढ़ती मांग और VLSI में करियर अवसरों पर व्याख्यान दिया)

MNIT जयपुर ने 12 नवंबर 2024 को श्री दीपक अग्रवाल, HrdWyr वेंचर्स के उपाध्यक्ष और 1999 ECE बैच के पूर्व छात्र, की मेजबानी की। दो घंटे के व्याख्यान में, उन्होंने भारत में कुशल चिप डिज़ाइनरों की बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला, जो देश की वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में विस्तारित भूमिका से प्रेरित है। व्याख्यान के बाद, श्री अग्रवाल ने छात्रों के साथ VLSI चिप डिज़ाइन और परीक्षण में उत्कृष्टता के लिए आवश्यक कौशलों पर चर्चा में भाग लिया। उनकी यात्रा ने स्थायी प्रभाव छोड़ा, छात्रों को इस तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में करियर बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

आयोजित कार्यक्रम

- मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग (HSS) ने 14 अक्टूबर 2024 को “एक पेड़ माँ के नाम” थीम के तहत रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल शुरू की।
- प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. एन.पी. पाढ़ी, योजना और विकास विभाग के डीन, और प्रो. हिमांशु चौधरी, के साथ-साथ विभाग के सभी संकाय सदस्य शामिल थे।
- डॉ. प्रीति भट्ट, विभागाध्यक्ष, ने सभा का स्वागत किया और डीन को औपचारिक सम्मान से नवाज़ा।
- प्रो. मंजु सिंह ने पहल की शुरुआत की, जिसमें इसकी संरेखण को संस्थान के एक संलग्न परिसर बनने के दृष्टिकोण के साथ उजागर किया। यह पहल सामाजिक अभियांत्रिकी के एक मिनी-प्रयोगशाला प्रयोग के रूप में कार्य करती है, जिसमें छात्रों को पर्यावरणीय सतत विकास और सामाजिक प्रभाव में शामिल किया जाता है। प्रत्येक रोपित वृक्ष पर संबंधित विद्वान की माँ का नाम होगा, जो एक व्यक्तिगत संबंध और “एक पेड़ माँ के नाम” की भावना का प्रतीक है।
- प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने पहल की सराहना की और इसे सभी विभागों में विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया, जबकि प्रो. हिमांशु चौधरी ने वृक्षों के रखरखाव के लिए पूर्ण समर्थन का वचन दिया।
- कार्यक्रम का समापन मानविकी तरुमाला में वृक्षारोपण के साथ हुआ, जहाँ प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने पहला वृक्ष रोपा। प्रतिभागियों ने एक प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर किए, जिसमें उन्होंने अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान अपने वृक्षों की देखभाल करने का संकल्प लिया, जिससे पर्यावरण संरक्षण और शैक्षणिक समर्पण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

आयोजित कार्यक्रम

- "परियोजना प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान" श्री विनोद गर्ग (एवीजी कंसल्टिंग ग्रुप) द्वारा, दिनांक 21 अक्टूबर 2024।
- "संचालन अनुसंधान के विविध पहलुओं पर विशेषज्ञ व्याख्यान" श्री अभिक गिरी (प्रधान संचालन अनुसंधान वैज्ञानिक, सैंडिस्क, वेस्टर्न डिजिटल, बेंगलुरु) द्वारा, दिनांक 14 नवंबर 2024।
- "इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024", डीएमएस एवं सीडीईसी, एमएनआईटी जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

गणित विभाग

आयोजित कार्यक्रम

- एमएनआईटी जयपुर में प्रोफेसर क्रिश्चियन रूयर-क्विल, यूएसएमबी, फ्रांस द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला:

  गणित विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने 17-18 अक्टूबर 2024 को नीति सभागार में दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया, जिसमें फ्रांस के Université de Savoie Mont-Blanc के प्रो. क्रिश्चियन रूयेर-क्विल ने व्याख्यान दिए। प्रो. रूयेर-क्विल, जो LOCIE के एक प्रख्यात शोधकर्ता हैं, ने "Mass and Momentum Transport at a Saturated Porous-Fluid Interface" तथा "Falling Liquid Films: Application of Low-Dimensional Modelling Techniques" विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए, जिससे उन्नत तरल गतिकी और मॉडलिंग पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।
  डॉ. संतोष चौधरी के नेतृत्व और संकाय सदस्यों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने एमएनआईटी जयपुर की शैक्षणिक उत्कृष्टता और बहु-विषयक अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

विशेषज्ञ व्याख्यानों की सफलता का श्रेय विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष चौधरी एवं संकाय सदस्यों डॉ. संजय भट्टड़, डॉ. रितु अग्रवाल, डॉ. वरुण जिंदल, डॉ. ओम पी. सुथार, डॉ. कुशल शर्मा, डॉ. अनुपमा जिंदल, डॉ. प्रियंका हरजुले, तथा डॉ. गीतांजलि चट्टोपाध्याय के प्रयासों को दिया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. रितु अग्रवाल ने 30 नवंबर 2024 को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्पेशल फंक्शंस एंड एप्लिकेशंस (ICSFA-2024) - XXIII एनुअल मीटिंग ऑफ द सोसाइटी फॉर स्पेशल फंक्शंस एंड देयर एप्लिकेशंस (SSFA) में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

आयोजित कार्यक्रम

यूनिफाइड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइबर फिजिकल सिस्टम्स एंड इंडस्ट्रियल एआई का आयोजन 26-28 नवंबर 2024 तक एमएनआईटी जयपुर में किया गया। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन को टीसीएस रिसर्च, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, तथा जर्नल ऑफ डायनामिक्स, मॉनिटरिंग एंड डायग्नॉस्टिक्स का प्रायोजन प्राप्त था। इसमें भारत, नॉर्वे, अमेरिका, स्पेन, स्वीडन और यूके से शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।
इस कार्यक्रम में 110 शोध पत्र, 6 मुख्य भाषण, और 85 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। सम्मेलन में एआई, इंडस्ट्री 4.0, डिजिटल ट्विन्स, सतत विकास, पूर्वानुमानित रखरखाव, ब्लॉकचेन और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिससे उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार के लिए बहु-विषयक सहयोग और वैश्विक साझेदारी को प्रोत्साहन मिला।

- डॉ. अजय कुमार साहनी, संयुक्त निदेशक, आईआरडीई, डीआरडीओ देहरादून, ने 12 नवंबर 2024 को डिजाइन ऑफ मशीन एलिमेंट्स 22 (MET302) पाठ्यक्रम के तहत "डिफेंस प्रोडक्ट डेवलपमेंट साइकल" विषय पर व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान डॉ. दिनेश कुमार राठौड़ के समन्वय में आयोजित किया गया और इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरेक्शन पहल का एक हिस्सा था।

(डॉ. एन.पी. पाढ़ी, अमेरिका, स्पेन और नॉर्वे के शोधकर्ताओं के साथ यूनिफाइड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइबर-फिजिकल सिस्टम्स एंड इंडस्ट्रियल एआई में।)

(डॉ. अजय कुमार साहनी (संयुक्त निदेशक, आईआरडीई, डीआरडीओ देहरादून) ने डिजाइन ऑफ मशीन एलिमेंट्स पाठ्यक्रम के लिए "डिफेंस प्रोडक्ट डेवलपमेंट साइकल" पर व्याख्यान दिया।)

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

आयोजित कार्यक्रम

"मेटलर्जी फॉर नॉन-मेटलर्जिस्ट्स" पर एक साप्ताहिक लघु अवधि पाठ्यक्रम का उद्घाटन 18 नवंबर 2024 को धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर के सहयोग से किया गया। 18-23 नवंबर 2024 तक आयोजित इस पाठ्यक्रम में धातुओं के अयस्क से निष्कर्षण की सामान्य विधियों और संबंधित अवधारणाओं पर जानकारी प्रदान की गई।

यह पाठ्यक्रम गैर-धातुकर्म औद्योगिक पेशेवरों, विशेष रूप से हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों/अभियंताओं (40 प्रतिभागी) के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इस पहल से उद्योग-अकादमिक सहयोग को और अधिक सशक्त बनाया गया है।

उच्च तापमान सुविधा (1200 डिग्री सेल्सियस तक) के साथ अत्याधुनिक एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर (एक्सआरडी) लैब का उद्घाटन

एमएनआईटी जयपुर ने 25 नवंबर 2024 को हाई टेम्परेचर (1200 डिग्री सेल्सियस तक) सुविधा युक्त अत्याधुनिक एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर (XRD) का उद्घाटन किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित यह सुविधा उन्नत पदार्थ विशेषता अध्ययन की क्षमता को बढ़ाएगी और छात्रों, संकाय सदस्यों, स्टार्टअप्स तथा उद्योगों के लिए अनुसंधान के नए अवसर प्रदान करेगी। यह सुविधा प्रधानमंत्री के विकसित भारत मिशन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र

आयोजित कार्यक्रम

PIICON-2024 के तहत 12 दिसंबर 2024 को "नेट-जीरो भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र द्वारा IEEE PELS WIE के सहयोग से आयोजित इस चर्चा में प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. अनिल पहवा (कान्सास स्टेट यूनिवर्सिटी), डॉ. दिव्या संपत कुमार (सिंगापुर इंस्टीट्यूट

ऑफ टेक्नोलॉजी), डॉ. यश्वी बंसल (आईआईटी दिल्ली), डॉ. रवि सेगल (स्वतंत्र सलाहकार) और श्री निशांत शर्मा (एनटीपीसी लिमिटेड) शामिल थे। इस सत्र का संचालन डॉ. पारुल मथुरिया (एमएनआईटी जयपुर) ने किया।

पैनल ने इस बात पर गहन चर्चा की कि ऊर्जा त्रि-द्वंद्व सतत विकास, वहनीयता और सुरक्षा (sustainability, affordability, and security) नेट-जीरो लक्ष्यों की नीतियों को कैसे प्रभावित करता है। विशेषज्ञों ने परिदृश्य विश्लेषण के महत्व पर जोर दिया, जो प्रभावी नीतियों के निर्माण में सहायक होता है। उन्होंने स्मार्ट ग्रिड, एआई/एमएल और साइबर सुरक्षा जैसी नवीन तकनीकों को एक सशक्त ऊर्जा क्षेत्र के लिए आवश्यक बताया। चर्चा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि तकनीक, नीति और सहयोग के संतुलन से एक सतत और समावेशी ऊर्जा भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

औद्योगिक भ्रमण:

एमएनआईटी जयपुर के छात्रों और पीएचडी शोधकर्ताओं ने 9 दिसंबर 2024 को भाड़ला सोलर पार्क का दौरा किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य GW-स्तरीय सौर संचालन, सुरक्षा प्रोटोकॉल और रोबोटिक क्लीनिंग तकनीक का अध्ययन करना था, जिससे सतत ऊर्जा शिक्षा और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा मिले।

आयोजित कार्यक्रम:

भारत में बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टाइक्स (BIPV) की स्थिति पर गोलमेज चर्चा 2024 : 19 दिसंबर 2024 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (NISE) ने बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टाइक्स (BIPV) पर एक गोलमेज चर्चा का आयोजन किया, जिसमें अकादमिक, उद्योग, नीति और वास्तुकला के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

इस चर्चा में डॉ. अमर्त्या चौधुरी और शोधार्थी प्रियंका राय (CEE, MNIT) ने नेट-जीरो बिल्डिंग्स और सतत शहरीकरण में BIPV की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संवाद में स्थानीयकृत समाधानों, घरेलू विनिर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों पर जोर दिया गया।

मुख्य सुझावों में पायलट प्रोजेक्ट्स, वित्तीय प्रोत्साहन और BIPV को वास्तुकला पाठ्यक्रम में शामिल करना शामिल था, जो भारत के निर्माण क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऊर्जा शिक्षा सम्मेलन 2024 : ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र (CEE) के संकाय सदस्य 20-21 नवंबर 2024 को आईआईटी बॉम्बे के ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित ऊर्जा शिक्षा सम्मेलन 2024 में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विभिन्न IITs, NITs, राज्य एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनके पास ऊर्जा से संबंधित विभाग या केंद्र मौजूद हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2024 : ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र के छात्र और पूर्व छात्र 3-5 अक्टूबर 2024 के बीच ग्रेटर नोएडा, भारत में आयोजित रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सौर, पवन, जैव-ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया गया और इसमें उद्योग जगत के नेता, नीति-निर्माता और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ एकत्रित हुए। एक्सपो ने नेटवर्किंग, बाजार अंतर्दृष्टि और सतत ऊर्जा समाधान पर सहयोग के अवसर प्रदान किए।

दक्षिण एशिया स्वच्छ ऊर्जा फोरम 2024 : ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र के संकाय सदस्य और छात्र 21-24 अक्टूबर 2024 को जयपुर, भारत में आयोजित दक्षिण एशिया स्वच्छ ऊर्जा फोरम में शामिल हुए।

फोरम में दक्षिण एशिया में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन पर चर्चा की गई, जिसमें श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव, भारत और अमेरिका के सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और ऊर्जा विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्होंने सतत ऊर्जा मार्गों और सहयोगात्मक उपायों पर विचार-विमर्श किया।

सामग्री अनुसंधान केंद्र

आयोजित कार्यक्रम

नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ अभियांत्रिकी के इलेक्ट्रिकल और संगणक अभियांत्रिकी विभाग से प्रो. रविंदर दहिया ने एमआरसी का दौरा किया और वहां की सुविधाओं एवं उनके रखरखाव की सराहना की।

26 नवंबर 2024 को एमआरसी ने पोददार इंटरनेशनल कॉलेज, जयपुर के 25 छात्रों को शोध सुविधाओं का अवलोकन कराया। इसके अलावा, 11-15 नवंबर 2024 के दौरान एमएनआईटी जयपुर के धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकीविभाग के बी.टेक छात्रों ने भी केंद्र का दौरा किया।

राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र

आयोजित कार्यक्रम

एनसीडीएमएम ने भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) CED 39 भूकंप अभियांत्रिकी अनुभागीय समिति की बैठक का आयोजन किया।

बीआईएस के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें एनईटीएफ की अत्याधुनिक परीक्षण सुविधा का प्रदर्शन किया गया। विशेषज्ञों ने दो प्रयोगशाला-स्तरीय परीक्षणों के माध्यम से भूकंप परीक्षण के महत्व को समझाया, जिससे महत्वपूर्ण अवसंरचना की भूकंपीय क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

"अनुसंधान प्रकाशन"

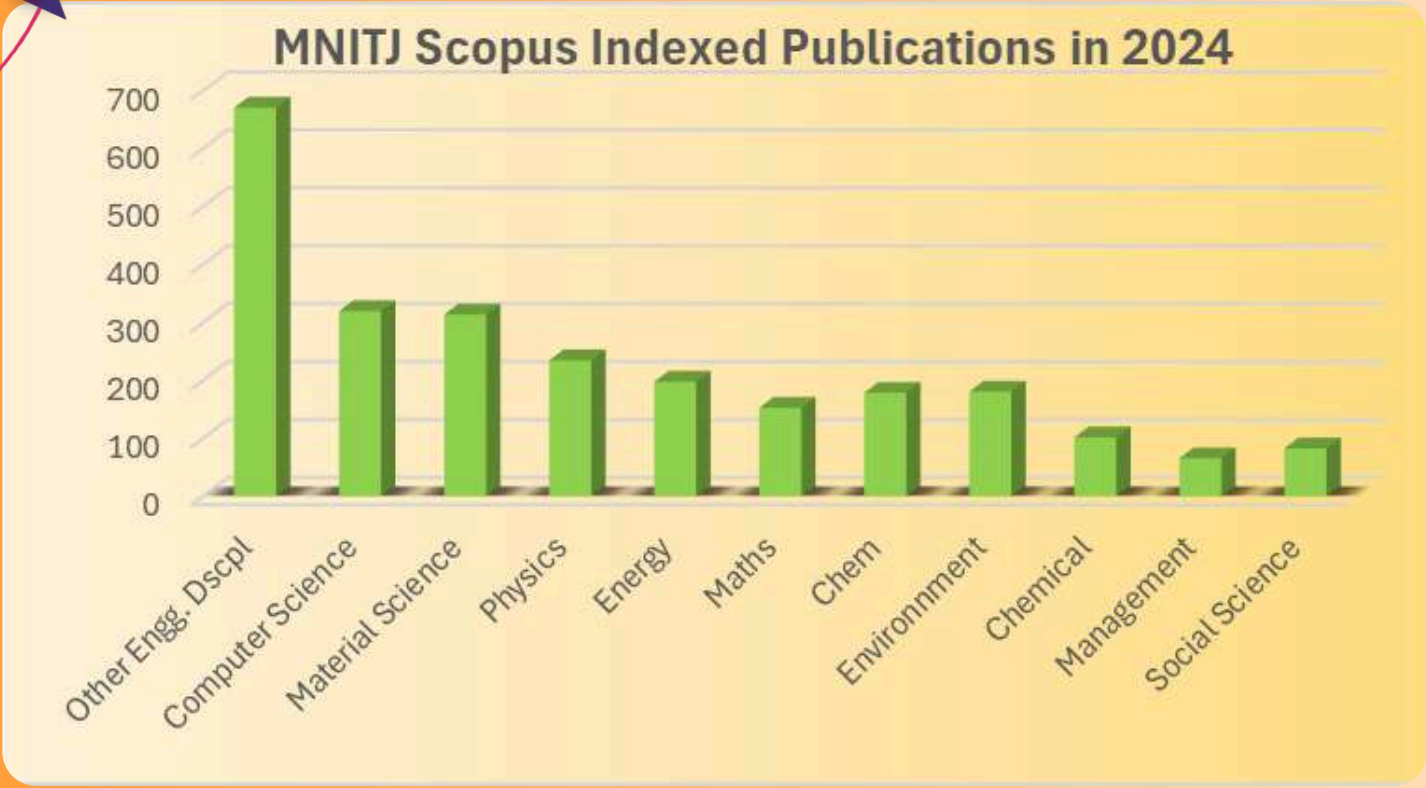

नव अनुमोदित अनुसंधान परियोजनाए

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. दिपालॉय दत्ता और डॉ. सुबीर देबनाथ : पेशेवर खेल अकादमियों में लागू विशिष्ट, संचालन और सुरक्षा आवश्यकताओं का अध्ययन, बीआईएस दिल्ली – 5.04 लाख

डॉ. राजीव कुमार दोहरे और डॉ. रोहिदास भोई : क्लोरोसल्फोनिक एसिड उद्योग में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं का अध्ययन, बीआईएस दिल्ली – 4.8 लाख

डॉ. रोहिदास भोई और डॉ. राजीव कुमार दोहरे : एथेनॉल-जल मिश्रण में एथेनॉल प्रतिशत के अनुमान के लिए उपयोग किए जाने वाले इकाइयों के अंतर-परिवर्तन डेटा का अध्ययन, बीआईएस दिल्ली – ₹ 4.5 लाख

डॉ. यू. के. अरुण और डॉ. राजीव कुमार दोहरे : स्थिर स्रोतों से सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन के मापन के विभिन्न परीक्षण विधियों का अध्ययन, बीआईएस दिल्ली – 6.12 लाख

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

प्रो. विनीत साहुला : ईआईसीटी अकादमी एक प्रशिक्षण उत्कृष्टता केंद्र है, जिसे भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है। 2023 में चरण-1 की सफल समाप्ति के बाद, मंत्रालय ने चरण-2 के लिए निधि स्वीकृत की है।

उपलब्धियां एवं पुरस्कार

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकीविभाग के अलावा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, ऊर्जा केंद्र, एचएसएस आदि विभागों के संकाय सदस्य भी इन कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा ₹ 1005.58 लाख की निधि प्रदान की गई है।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

प्रो. हरलाल सिंह माली : क्लबफुट के लिए सुधारात्मक ऑर्थोसिस के डिज़ाइन फ्रीज़ और नैदानिक प्रभावशीलता की स्थापना पर एक परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रायोगिक परियोजना को बीआईआरएसी/एसबीआईआरआई से 38 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है।

डॉ. पंकज कुमार गुप्ता : पैकर्स और मूवर्स सेवा प्रदाताओं के लिए सेवा आवश्यकताओं के रूपरेखा निर्धारण हेतु संचालन, सर्वोत्तम प्रक्रियाओं और सेवा मापदंडों का अध्ययन विषय पर एक परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। इस परियोजना को बीआईएस से ₹ 7.8 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है, जिसमें डॉ. तपस बजपाई सह-अन्वेषक के रूप में शामिल हैं।

शिक्षक उपलब्धियाँ :

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. सूरजित घोष को एएमसीएस-24: अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एडवांसस इन मैटेरियल्स एंड केमिकल साइंसेज में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, भारत के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया था और 18-20 दिसंबर 2024 के दौरान संपन्न हुआ। उनकी प्रस्तुति का विषय "Facet-dependent Photocatalysis and Degradation of Zinc Oxide Nanocrystals" था।

डॉ. बिकाशबिंदु दास को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF), भारत से अंतरराष्ट्रीय यात्रा सहायता अनुदान प्राप्त हुआ है। वे 11वें यूके कैटालिसिस सम्मेलन 2025, यूनाइटेड किंगडम में अपना शोध पत्र "Aerobic Oxidative Desulfurization Using Boron-Doped Petcoke Catalyst" प्रस्तुत करेंगे।

संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. नीता नैन को IEEE CINS 2024 में सत्र का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन 28-29 नवंबर 2024 को BITS दुबई कैंपस में आयोजित किया गया था।
डॉ. लविका गोयल को Nature Publishing Group के Nature's Scientific Reports Journal के संपादक के रूप में नियुक्त किया गया है। यह विश्व का 5वां सर्वाधिक उद्धृत SCIE-सूचीबद्ध जर्नल है। उनकी नियुक्ति डॉ. राफल मर्शालेक, चीफ एडिटर, Scientific Reports, Nature Publisher द्वारा की गई।

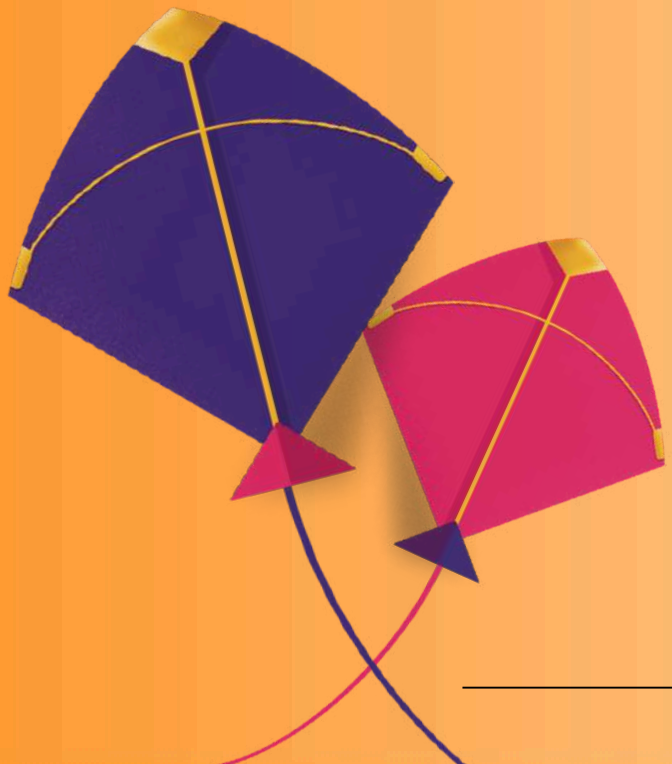

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की परियोजना के तहत 5G उपयोग परिदृश्य प्रयोगशालाओं (5G Use Case Laboratory) में से एक प्राप्त हुई है। पूरे देश में स्थापित 100 प्रयोगशालाओं में से एक यह प्रयोगशाला 5G कोर सर्वर, रेडियो और 5G-सक्षम उपकरणों से सुसज्जित है, जिसमें ड्रोन, मोबाइल फोन, मूल्यांकन बोर्ड, ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) उपकरण और 5G कैमरा शामिल हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीप्ति शर्मा को आईसीएसएसआर कोलेबोरेटिव एम्पिरिकल के तहत सौर ऊर्जा और सतत विकास (2024-25) पर अनुसंधान परियोजना का अनुदान प्राप्त हुआ है।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

प्रो. दिलीप शर्मा (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग) को ISEES फेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया, जो सतत विकास और ऊर्जा के क्षेत्र में उनके अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करता है।

प्रो. दिलीप शर्मा, डीन (अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र संबंध) एवं प्रोफेसर (HAG), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर, को "आउटस्टैंडिंग अभियांत्रिकी सर्विसेज टू सोसाइटी" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 24 नवंबर 2024 को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा प्रदान किया गया।

यह सम्मान ऑल इंडिया सेमिनार-MCDB के दौरान प्रदान किया गया, जो अभियांत्रिकी और समाज के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देता है।

डॉ. दिनेश कुमार राठौड़ को 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन प्रोसेसिंग एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ मटेरियल्स में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) राउरकेला में दिसंबर 2024 में आयोजित किया गया था।

(प्रो. दिलीप शर्मा, डीन अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र संबंध, एमएनआईटी जयपुर, को आउटस्टैंडिंग अभियांत्रिकी सर्विसेज टू सोसाइटी पुरस्कार प्रदान किया गया।)

उपलब्धियां एवं पुरस्कार

(यांत्रिक विभाग के प्रोफेसर दिलीप शर्मा को इस क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए फेलो ऑफ आईएसईईएस की उपाधि से सम्मानित किया गया है)

छात्र उपलब्धि-
गणित विभाग

- गणित विभाग की शोध छात्रा सुश्री पूजा ऐरन को विशेष कार्यों एवं अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएफए-2024) में अरुणा गुप्ता सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार मिला - विशेष कार्यों एवं उनके अनुप्रयोगों के लिए सोसायटी की तेईसवें वार्षिक बैठक, 28-30 नवंबर, 2024 को डॉ. रितु अग्रवाल की देखरेख में, जयपुर के विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित की गई।

राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केन्द्र

- शोधार्थी शियम सुंदर के. पी. को 14वें संरचनात्मक अभियांत्रिकी कन्वेंशन (एसईसी 2024) में उनके शोधपत्र "क्रैक प्रोपेगेशन और एलिमेंट डिलीशन सहित कंक्रीट ग्रैविटी डैम्स की भूकंपीय प्रतिक्रिया" के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डीन कार्यालय की पहल

डीन अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र संबंध

अभियांत्रिकी एवं सतत विकास में संकाय की उपलब्धियां

एमएनआईटी जयपुर के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों के डीन एवं प्रोफेसर (एचएजी) प्रोफेसर दिलीप शर्मा को 24 नवंबर, 2024 को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा समाज के लिए उत्कृष्ट अभियांत्रिकी सेवाओं के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय सेमिनार-एमसीडीबी के दौरान प्रस्तुत यह सम्मान अभियांत्रिकी एवं समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान को उजागर करता है।

सतत ऊर्जा एवं पर्यावरण चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (नौवीं एसईईसी) 13-15 दिसंबर, 2024 को आईआईटी मंडी में आयोजित किया गया था, जिसका आयोजन इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसईईएस) द्वारा किया गया था। इस आयोजन में स्थायी ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए नवीन समाधानों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख विशेषज्ञ, शोधकर्ता और उद्योग पेशेवर एकत्र हुए। सम्मेलन के दौरान, एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढ़ी को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और सतत विकास के क्षेत्र में योगदान के लिए आईएसईईएस के मानद फेलो के रूप में सम्मानित किया गया। प्रोफेसर दिलीप शर्मा (यांत्रिक विभाग) को सतत विकास और ऊर्जा में अनुसंधान और शिक्षा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आईएसईईएस के फेलो से सम्मानित किया गया।

(प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी को सतत विकास, अनुसंधान और शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आईएसईईएस फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं)

समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

एमएनआईटी जयपुर ने अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और संयुक्त कार्यक्रमों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 9 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते में छात्र, संकाय और कर्मचारी आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, यूजी, पीजी और पीएचडी का सह-पर्यवेक्षण शामिल है। छात्र, और सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का संगठन।

(एमएनआईटी जयपुर ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए)

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का दौरा

रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस), मॉस्को, रूस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के अवसरों का अन्वेषण करने के लिए 22 नवंबर, 2024 को एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य संबंधों को मजबूत करना और वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में संयुक्त पहल को बढ़ावा देना है।

(रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस), मॉस्को के सदस्यों ने अकादमिक और अनुसंधान सहयोग का अन्वेषण करने के लिए 22 नवंबर, 2024 को एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया)

पूर्व छात्र सहभागिता

एमएनआईटी जयपुर और एमएनआईटीजेएए ने क्रिस्टल जुबली एलुमनी मीट 2025 का आयोजन किया

एमएनआईटी जयपुर ने एमएनआईटीजेएए के सहयोग से अब्दुल कलाम हॉल (वीएलटीसी) में क्रिस्टल जुबली एलुमनी मीट 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि श्री हुकुम सिंह मीना (1986 पूर्व छात्र और 1992 आईएएस) और प्रोफेसर ए.पी.एस. राठौड़ सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रो. राकेश जैन, प्रो. दिलीप शर्मा, डॉ. आशीष दत्त शर्मा, महेंद्र मीना और श्री सुरेंद्र बागड़ी शामिल थे।

बैठक में पूर्व छात्रों के नेटवर्क की शक्ति पर जोर देते हुए पूर्व छात्रों के योगदान, छात्र मार्गदर्शन और संस्थागत विकास पर प्रकाश डाला गया। एक विशेष सम्मान समारोह में क्रिस्टल जुबली बैच (2009-2010) को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने पूर्व छात्रों के संबंधों को मजबूत किया और एमएनआईटी जयपुर की स्थायी विरासत का जश्न मनाया।

(क्रिस्टल जुबली मीट 2025 का जश्न मनाते हुए प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का एक जमावड़ा, यादें ताजा करते हुए और संबंधों को मजबूत करते हुए।)

एमएनआईटी जयपुर पूर्व छात्र दिवस 2024: उपलब्धियों का जश्न मनाना और योगदान देना

एएमएनआईटी जयपुर ने 25 दिसंबर, 2024 को स्वर्ण जयंती (प्रवेश बैच 1974) और रजत जयंती (पास आउट बैच 1999) का सम्मान करते हुए पूर्व छात्र दिवस 2024 मनाया। 1974 बैच ने जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए छात्रवृत्ति निधि की घोषणा की, जबकि 1973 बैच ने एमएनआईटीजेएए के सहयोग से श्री जगदीश मिश्रा और डॉ. आशीष दत्त शर्मा के नेतृत्व में संस्थान को दो इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट दान किए। इस कार्यक्रम में एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढ़ी, डीन (अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले) प्रोफेसर दिलीप शर्मा और डीनरी और पूर्व छात्र संघ के अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों ने प्रेरक भाषण दिए। इस समारोह ने एमएनआईटी और उसके पूर्व छात्रों के बीच मजबूत बंधन की पुष्टि की, और बदले में उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

(रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस), मॉस्को के सदस्यों ने अकादमिक और अनुसंधान सहयोग का पता लगाने के लिए 22 नवंबर, 2024 को एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया)

(पूर्व छात्र, पूर्व छात्र दिवस 2024 मनाने के लिए एकत्र हुए, जिसमें 1973 बैच और एमएनआईटीजेएए ने संस्थान को दो इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट उपहार स्वरूप दिए, जिससे पूर्व छात्र-संस्थान के बीच संबंध मजबूत हुए।)

संयुक्त राज्य अमेरिका में एमएनआईटी जयपुर के पूर्व छात्रों की बैठक

अमेरिका में एमएनआईटी जयपुर के पूर्व छात्रों ने 5 अक्टूबर, 2024 को फ़्रेमोंट, कैलिफ़ोर्निया में एक पुनर्मिलन का आयोजन किया, जिसमें देश भर से स्नातकों को एक साथ लाया गया। एमएनआईटी जयपुर के निदेशक डॉ. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हृदयस्पर्शी है कि हमारे पूर्व छात्र दूरियों के बावजूद फिर से जुड़ रहे हैं और अपने संबंधों का उत्सव मना रहे हैं।

यह कार्यक्रम एक जीवंत समागम था, जिसमें पुरानी यादें, सौहार्द और व्यावसायिक संपर्क को बढ़ावा मिला, जिससे पूर्व छात्रों के बीच मित्रता पुनः प्रज्वलित हुई, तथा साथ ही हाल ही में स्नातक हुए छात्रों को उद्योग जगत में मूल्यवान सम्पर्क प्राप्त हुए।

(यूएसए में आयोजित एमएनआईटी एलुमनी मीट में प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का संगम, जिसने आपसी संबंधों और सहयोग को प्रोत्साहित किया।)

पूर्व छात्रों का दौरा:

14 अक्टूबर, 2024 को, प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. नितिन खोसला ने संभावित सहयोग पर चर्चा करने के लिए एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया। उन्होंने उद्योग-संस्थान साझेदारी के लिए रास्ते तलाशने के लिए प्रोफेसर दिलीप शर्मा, डीन (अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले), और प्रोफेसर राकेश जैन, समन्वयक (प्रशिक्षण और प्लेसमेंट) के साथ वार्तालाप किया।

चर्चा मर्डोक विश्वविद्यालय और एमएनआईटी जयपुर के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी, जिसका उद्देश्य छात्रों और संकाय के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाना था।

पुस्तकालय कार्यक्रम और कार्यशालाएँ

एमएनआईटी जयपुर में पुस्तकालयों के परिवर्तन एवं सशक्तिकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) ने जयपुर के मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) की सेंट्रल लाइब्रेरी के सहयोग से शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 को 'ट्रांसफॉर्मिंग एंड एम्पावरिंग लाइब्रेरीज़, एलआईएस प्रोफेशनल्स एंड यूजर्स: इमर्जिंग ट्रेंड्स' शीर्षक से एक व्यक्तिगत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पूरे राजस्थान से लगभग 45 लाइब्रेरी पेशेवरों की भागीदारी देखी गई।

डेलनेट की निदेशक डॉ. संगीता कौल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एमएनआईटी जयपुर के लाइब्रेरियन डॉ. ऋषि कुमार तिवारी ने कार्यक्रम के विषय और उद्देश्यों का परिचय दिया। अपने उद्घाटन भाषण में, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष (प्रभारी) और एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रोफेसर एन.पी. पाढ़ी ने डिजिटल युग में छात्रों और अनुसंधान विद्वानों की शैक्षणिक यात्राओं में पुस्तकालयों और डिजिटल संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अकादमिक विभाग के डीन प्रो. डी. बूलचंदानी ने एक विशेष अतिथि भाषण दिया और पुस्तकालय समन्वयक प्रो. तरुश चंद्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

कार्यशाला में कई विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें शामिल हैं:

- डेलनेट संसाधन और सेवाएँ
- लाइब्रेरी ऑटोमेशन के लिए डेलनेट डेलप्लस सॉफ्टवेयर
- ड्रिलबिट का उपयोग करके शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और साहित्यिक चोरी की रोकथाम
- लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए सॉफ्ट स्किल्स
- पुस्तकालयों में सामुदायिक सहभागिता
- उपयोगकर्ता संतुष्टि बढ़ाना

कार्यक्रम का उद्देश्य पुस्तकालय पेशेवरों को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में नवीनतम उपकरणों और प्रौद्योगिकियों से लैस करना है, जिससे वे अपने संबंधित पुस्तकालयों में नवीन प्रथाओं को लागू करने में सक्षम हो सकें।

एमएनआईटी जयपुर में छात्रों का दौरा: विज्ञान और ज्ञान की खोज

जवाहर नवोदय विद्यालय, भरतपुर के छात्रों द्वारा एमएनआईटी जयपुर की सेंट्रल लाइब्रेरी का दौरा

जवाहर नवोदय विद्यालय, भरतपुर के 48 छात्रों और तीन स्टाफ सदस्यों के एक समूह ने गहन शिक्षण अनुभव के लिए एमएनआईटी जयपुर की सेंट्रल लाइब्रेरी का दौरा किया। निर्देशित दौरे ने उन्हें पुस्तकालय की अत्याधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया, जिसमें इसकी आरएफआईडी प्रणाली, डिजिटल संसाधन और स्मार्ट सर्कुलेशन प्रक्रियाएं शामिल हैं। छात्रों का उत्साह स्पष्ट था क्योंकि वे उधार प्रणाली और डिजिटल अभिलेखागार के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे, उन्होंने व्यावहारिक प्रश्न पूछे जिससे अनुभव समृद्ध हुआ। इस यात्रा ने उन्हें आधुनिक शैक्षणिक पुस्तकालय के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिससे ज्ञान और आजीवन सीखने के केंद्र के रूप में पुस्तकालयों की भूमिका मजबूत हुई।

प्रधानमंत्री श्री केन्द्रीय विद्यालय अलवर के छात्रों का रोमांचक वैज्ञानिक दौरा

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय अलवर के कुल 200 छात्रों एवं शिक्षकों ने 20 दिसंबर, 2024 को ईसीई एवं यांत्रिक विभाग की प्रयोगशालाओं का दौरा किया। यह उनके लिए एक रोमांचक और समृद्ध वैज्ञानिक अनुभव था। यात्रा के दौरान, उन्होंने ईसीई विभाग में ड्रोन लैब और एनेकोइक चैंबर सहित विभिन्न प्रयोगशालाओं से परिचित कराया। यांत्रिक विभाग में उन्हें यांत्रिक कार्यशाला और 3डी प्रिंटिंग तकनीक से परिचित कराया गया। इस व्यावहारिक अनुभव ने छात्रों को उन्नत अभियांत्रिकी अवधारणाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

(पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय अलवर ने 20 दिसंबर, 2024 को ईसीई एवं यांत्रिक विभाग की प्रयोगशालाओं का दौरा किया)

यक्षम समाचार पत्रिका

जयपुर, रविवार, 13 अक्टूबर, 2024 | 2

मालवीय इंटरनल कल्चरल कार्निवल 2024 -संस्कृति और प्रतिभा का पर्व

● यक्षम समाचार पत्रिका

जयपुर। नवरात्री के पावन अवसर पर मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में मालवीय इन्टरनल कल्चरल कार्निवल- 2024 का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान की क्रिएटिव आर्ट्स और कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित इस समारोह में शिक्षक गण, स्टाफ, उनके परिवार के सदस्य और विद्यार्थी बड़ी संख्या में नजर आए और उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत संध्या 6:30 बजे से सेंट्रल लॉन में हुई जिसमें गीत संगीत, नाटक और नृत्य का विशेष समावेश देखा गया। इस मौके पर सभी लोग पारंपरिक परिधान में नजर आए और कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने लघु नाटक के माध्यम से रामायण के कुछ अंशों का मनोहारी चित्रण किया और त्योहार के महत्व को समझाया। इसके साथ ही संस्थान की छात्राओं ने मां दुर्गा के सभी नौ रूपों को प्रस्तुत कर अपार शक्ति

मनोहर नृत्य प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया जिसमे गुजराती लोक गीतों से लेकर बॉलीवुड गानों पर नृत्य कर प्रस्तुत कर्ताओं ने सबका दिल जीत लिया। अंत में सभी ने दिल खोलकर गरबा किया और इस यादगार

शिक्षकों संग तस्वीरें भी ली। कार्यक्रम के दौरान, चार विशेष पुरस्कारों की घोषणा की गई:

सर्वश्रेष्ठ पोशाक पुरुष: आदित्य जांगिड़ **सर्वश्रेष्ठ पोशाक महिला:** भाविका, **सर्वश्रेष्ठ नर्तक** ...यांशु, **सर्वश्रेष्ठ नर्तक महिला:** लीना। डीन

स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. कनुप्रिया सचदेव और एसोसिएट डीन (कल्चरल) डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी ने अन्य प्रतिष्ठित शिक्षकों के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई। यह आयोजन एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

दैनिक मृदुल पत्रिका 5

शनिवार, 25 जनवरी, 2025

एमएनआईटी जयपुर में विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला का उद्घाटन

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। प्रोफेसर एन.पी. पाढ़ी, निदेशक और अध्यक्ष (प्रभारी), बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, एमएनआईटी जयपुर ने, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में एक अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरण प्रयोगशाला (एआईएल) का उद्घाटन किया। समारोह में डीन, रजिस्ट्रार, डॉ. सुशांत उपाध्याय (विभागाध्यक्ष, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग), डॉ. ...

वर्कस्टेशन आदि। ये उपकरण अकादमिक अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोगों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह सुविधा उन्नत अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की एमएनआईटी जयपुर की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कार्यक्रम में बोलते हुए प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने सुविधा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'एआईएल प्रयोगशाला अंतःविषय अनुसंधान ...

दैनिक भास्कर — जयपुर सिटी भास्कर 28-11-2024

इंटर्नशिप: एमएनआईटी का इंक्यूबेशन सेंटर 23 दिसंबर से शुरू करेगा ट्रेनिंग

स्टूडेंट्स सीखेंगे कम्यूनिकेशन, कोलेबोरेशन और लीडरशिप के साथ इमोशनल इंटेलीजेंस

सिटी रिपोर्टर | इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक के बाद स्टूडेंट्स स्टार्टअप को बतौर कॅरियर अपनाएं। अपने आइडिएशन को प्रस्तुत करते समय किसी तरह की मुश्किल न आए। उन्हें सॉफ्ट स्किल्स में लीडरशिप, कम्यूनिकेशन, कोलेबोरेशन व इमोशनल इंटेलीजेंस की समझ विकसित हो। इसी उद्देश्य से एमएनआईटी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर जयपुर 'इंटर्नशिप प्रोग्राम-2024 (विंटर)' शुरू करने जा रहा है। रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 20 दिसंबर है। इंटर्नशिप 23 दिसंबर से शुरू होगी। 30 से 45 दिन के इंटर्नशिप प्रोग्राम के बाद सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। गौरतलब है कि अभी तक 1500 स्टूडेंट्स इसमें शिरकत कर चुके हैं। इंटर्नशिप की फीस 1000 रुपए होगी। इसका फायदा स्टूडेंट्स को पढ़ाई पूरी करने के बाद प्लेसमेंट के दौरान मिलेगा।

एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) की सिफारिशों के बाद तकनीकी शिक्षा बोर्ड राजस्थान ने डिप्लोमा स्टूडेंट्स के लिए इस तरह के इंटर्नशिप प्रोग्राम की शुरुआत की। इसके तहत सेकंड और थर्ड सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप करवाना है। स्टूडेंट्स जो उच्च शैक्षणिक संस्थान, टी एंड पी सेल, इंक्यूबेशन सेंटर और आईआईसी का हिस्सा हैं, वे इंटर्नशिप कर सकते हैं।

ट्रेनिंग के दौरान स्टूडेंट्स व मेंटर

इंटर्नशिप के विषय

- कम्यूनिकेशन स्किल्स
- सॉफ्ट स्किल्स
- आंत्रप्रिन्योरशिप डवलपमेंट
- कॉन्ट्रीब्यूशन एट इंक्यूबेशन/इनोवेशन
- आंत्रप्रिन्योरशिप सेल एंड इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स
- इंटरव्यू स्किल्स, मार्केटिंग एंड फाइनेंशियल आस्पेक्ट्स

दिव्य राष्ट्र

जयपुर, शनिवार 25 जनवरी 2025 | 4

एमएनआईटी जयपुर में एआईएल का उद्घाटन

■ दिव्य राष्ट्र

जयपुर। प्रोफ़ेसर एन.पी. पाढ़ी, निदेश... अध्यक्ष (प्रभारी), बोर्ड ऑफ ... एमएनआईटी जयपुर ने, मालवीय ... प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) के ... इंजीनियरिंग विभाग में एक अ... विश्लेषणात्मक उपकरण प्र... (एआईएल) का उद्घाटन किया। समारोह ... रजिस्ट्रार, डॉ. सुशांत उपाध्याय (विभ... केमिकल इंजीनियरिंग विभाग), ड... सुब्बारमैया (संयोजक, एआईएल ... आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति और अन्य ... सदस्य उपस्थित थे। 2.20 करोड़ के निवे... स्थापित प्रयोगशाला अत्याधुनिक विश्ले... उपकरणों से सुसज्जित है, जैसे एच... टीपीएक्स एनालाइज़र, टीओसी एनालाइ... इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन आदि। ये ... अकादमिक अनुसंधान और औद्योगिक अ... की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए डिज़... गए हैं। यह सुविधा उन्नत अनुसंधान और ... को बढ़ावा देने की एमएनआईटी ज... प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का ... कार्यक्रम में बोलते हुए प्रो. एन.पी. पाढ़ी ... के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ... प्रयोगशाला अंतःविषय अनुसंधान को ब...

दैनिक नवज्योति 2

जयपुर, शनिवार, 9 नवंबर 2024

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि पर परिसंवाद

विकसित भारत की यात्रा में हर व्यक्ति की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही, विजिलेंस अवेयरनेस वीक का समापन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। भारत रत्न लोह पुरुष स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय विजिलेंस अवेयरनेस वीक का शुक्रवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में मनाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम हुआ और समापन पैनल डिस्कशन द्वारा किया गया, जिसमें मेजर जनरल अनुज माथुर, समरेंद्र सिंह शिकरवार एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज, अजय पाल लाम्बा इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, प्रोफेसर एनपी पाढ़ी निदेशक एमएनआईटी और मंजू मीणा पेनलिस्ट थे। इसमें चर्चा हुई की सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में तकनिकी की मदद से पारदर्शिता लाई जा सकती है, विकसित भारत की यात्रा में हर व्यक्ति की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। प्रोफेसर एनपी पाढ़ी ने कहा कि समाज को सही दिशा देने में शैक्षिणक संस्थानों की भूमिका महत्त्वपूर्ण और कहा की जब देश रिसर्च की दिशा में आगे बढ़ा रहा है, तब अकादमिक इंटीग्रिटी की आवश्यकता और महत्वपूर्ण हो जाती है। समरेंद्र सिंह शिकरवार एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज ने कहा कि न्याय पालिका समाज के लिए प्रतिबद्ध है, भारतीय न्याय प्रणाली में गलत के लिए दंड की पूरी व्यवस्था है।

मंजू मीणा ने मीडिया किस प्रकार गलत और सही को सम... ...मने लाने में मदद कर रहा ... अनुज माथुर ने अ... कहा कि ... मानदंडों ... अजय ... किस प्र... के लिए मदद ...

दैनिक नवज्योति 2

जयपुर, शनिवार, 19 अक्टूबर 2024

एमएनआईटी: हिन्दी भाषा में ऑडियो वि... लेक्चर तैयार करें प्रोफेसर: प्रो. पाढ़ी

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत संस्थान स्तर पर विद्यार्थी तथा गैर विद्यार्थी संवर्ग में विभिन्न हिन्दी

प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें पूरे 2 सप्ताह बड़े उत्साह से सभी ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को अवसर था हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण ...

विभिन्न विषयों के हिंदी में ऑडियो ... व्याख्यान तैयार करें। जिससे कि ... क्षेत्रों से आने वाले छात्र सुगम रू... प्राप्त कर सकें। उन्होंने राजभाषा ... गैर हिन्दी भाषी छात्रों को हिन... जागरू... लिए प्र... का ... किया। ... प्रो. रा... ने कह... के दौ... कार्य ज्यादा से ज्यादा हिन्दी ... मौके पर कार्यक्रम को अधिष्ठ... कल्याण प्रो. कैलाश सिंह, ... समन्वयक प्रो. राजकुमार व्यास ... तिवारी सहित अन्य लोगों ने ... किया। ...

श्रद्धांजलि

गहरे दु:ख और भारी मन से, हम योजना और विकास के मौजूदा डीन और एमएनआईटी जयपुर के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में प्रोफेसर प्रो. हिमांशु चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनके 5 जनवरी, 2025 को अचानक और असामयिक निधन ने हमारे समुदाय में एक बहुत बड़ा खालीपन छोड़ दिया है।

प्रो. चौधरी एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, समर्पित गुरु और दूरदर्शी नेता थे। यांत्रिक अभियांत्रिकी शिक्षा और अनुसंधान में उनके योगदान का स्थायी प्रभाव पड़ा है, जिससे अनगिनत छात्रों और सहकर्मियों को उत्कृष्टता की ओर मार्गदर्शन मिला है। योजना और विकास के डीन के रूप में, उन्होंने प्रगति और नवाचार की विरासत को पीछे छोड़ते हुए संस्थान के विकास, बुनियादी ढांचे और रणनीतिक दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपनी व्यावसायिक उपलब्धियों के अलावा, प्रो. चौधरी को उनकी बुद्धिमत्ता, दयालुता और संस्थान और उसके लोगों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए सराहा गया। उनकी उपस्थिति प्रेरणा का स्रोत थी और उनकी अनुपस्थिति उन सभी को गहराई से महसूस होती है जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला है।

एमएनआईटी जयपुर उनके परिवार, दोस्तों और पूरे शैक्षणिक समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। हालाँकि वह अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका योगदान और उनका प्रभाव आने वाले वर्षों तक गूंजता रहेगा।

आपकी स्मृति सदैव अमर रहेगी!

सहयोगी समूह

संस्थान पत्रिका समन्वयक

डॉ. पारुल मथुरिया
(सहायक आचार्य)
(ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)

संपादकीय

डॉ. मेनका
(सहायक आचार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग)
डॉ. गीतांजलि चट्टोपाध्याय
(सहायक आचार्य, गणित विभाग)
आस्था राठौड़
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईई)
अक्षरता जाधव
(बी.आर्क, चतुर्थ सेमेस्टर)
अमित कुमार सिंह
(परास्नातक, द्वितीय सेमेस्टर, सीएसई)
हिमांक धामानिया
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, मेटा)
मनीषा सिंह बंगारी
(परास्नातक, द्वितीय सेमेस्टर, पीबीएम)
प्रणव प्रशांत मालवडकर
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, एमई)
सुप्रिया (हिंदी संस्करण)
(पीएचडी, सीईई)

तकनीकी समर्थन

डॉ. सद्भावना
(सहायक आचार्य, संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग)
शुभ्रजीत रॉय
(बी.टेक, छठा सेमेस्टर, सीएसई)
शाल्विन दिदवानीया
(बी.टेक, चौथा सेमेस्टर, एआईडीई)
रामेश्वर
(बी.टेक, दूसरा सेमेस्टर, एआईडीई)
आर्यन गोयल
(बी.टेक, दूसरा सेमेस्टर, ईसीई)

संरचना

डॉ. सुरजित घोष
(सहायक आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
आर्किटेक्ट हिमांशु योगी
(सहायक आचार्य, वास्तुकला एवं योजना विभाग)
अनामिका लक्ष्मी
(बी.टेक, छठा सेमेस्टर, सीएसई)
एस. साई मृधुला
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, एआईडीई)

विषयवस्तु प्रबंधन

डॉ. अनुभा जिंदल
(सहायक आचार्य, गणित विभाग)
डॉ. बिकाशबिंदु दास
(सहायक आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
यशस्विनी उपाध्याय
(बी.टेक, छठा सेमेस्टर, सीएच)
प्रिया कुंदकर
(बी.टेक, छठा सेमेस्टर, सीएच)
पुनीत
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, सीएच)
अनन्या श्रीवास्तव
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईई)
विनीत सिंह परिहार
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईई)
मान्या बजाज
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईसीई)
परिचय रस्तोगी
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईई)
चिन्मय मित्तल
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, ईसीई)
निखिल कुमावत
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, सीएसई)
समृद्धि
(एमबीए, द्वितीय सेमेस्टर, पीबीएम)
रितिका नीमरोट
(परास्नातक, द्वितीय सेमेस्टर, सीईई)
रिशु रंजन
(बी.टेक, द्वितीय सेमेस्टर, एमई)
कर्मवीर स्वामी
(एमबीए, चतुर्थ सेमेस्टर, पीबीएम)
देवांश पारिख
(परास्नातक, द्वितीय सेमेस्टर, पीपीएच)

जनसंपर्क

डॉ. नीतू कुमारी
(सहायक आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
रुद्र प्रताप सिंह
(बी.टेक चतुर्थ सेमेस्टर, एमई)

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

कुलगीत

गालव ऋषि की तपोभूमि पर,
प्रौद्योगिकी ज्ञान का संगम ।
विश्वपटल पर आलोकित है,
भारतीय मेधा का परचम ।।
नवरचना के लिए समर्पित,
नूतन अभ्युत्थान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।1।।

ढूँढ़ाड़ी माटी का उत्सव,
बिखरा यहां गुलाबी वैभव
। भव्य भवन, पथ, जंतर-मंतर,
स्थापत्य, कलाएँ अभिनव ।।
अरावली की उपत्यका में,
ज्ञानोदय अभियान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।2।।

तकनीकी विद्या का साधक,
मानव मूल्यों का आराधक ।
यन्त्र, तन्त्र, अणु-कौशल शिक्षा,
वैज्ञानिक दृष्टि का वाहक ॥
अखिल विश्व हित शोध सर्जना,
भारत का प्रतिमान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।3।।

जल, थल, अंतरिक्ष अवगाहन,
श्रम से शृंगारित हो जीवन ।
अमृतकाल के अग्रदूत हम,
करते नवयुग का आवाहन ।।
"योगः कर्मसु कौशलम्" का,
गूँज रहा जयगान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।4।।

रचनाकार :
डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, (राज्यमंत्री दर्जा - राजस्थान सरकार)
कवि, आलोचक, निबंधकार एवं संपादक ।

आपकी प्रतिक्रिया मायने रखती है!
हमें यह बताने के लिए कि हम कैसा कार्य कर रहे हैं या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहां स्कैन करें।

जानकारी संबंधित विभागों/केंद्रों/वेबसाइटों से प्राप्त की गई है। यदि आप न्यूज़लेटर में विशेष रुप से शामिल होना चाहते हैं या योगदान देना चाहते हैं, तो हमें इस पते पर लिखें: coordinator.newsletter@mnit.ac.in